

ROUND TABLE on BUILDING INCLUSIVE URBAN SPACES

Media Coverage

1. Indian Horizon – National English Daily

pg 3

Discussion on building inclusive urban spaces for women in South Asia

New Delhi, 06th March 2024:- TalentNomics India, in partnership with KAS-Japan, is proud to announce the successful organization of its inaugural roundtable discussion focused on "Building Inclusive Urban Spaces for Women in South Asia." Held at New Delhi, on Wednesday, the day-long event brought together a diverse array of stakeholders to zero in on crucial issues and formulate actionable solutions aimed at creating cities where every woman can flourish. The event, held under the theme of pursuing an Equiverse—a universe where gender equity is the norm—saw esteemed speakers and participants engaging in insightful discussions to identify key obstacles and chart a path forward towards gender-inclusive urban planning. The tone for the event was set by



inspiring remarks from Ipsita Kathuria, Founder & CEO of TalentNomics India, and Christian Echle, Head-Asia/Pacific of KAS, whose visionary leadership paved the way for a productive and enriching dialogue. Speaking on the occasion, Gita Mittal, a retired Judge and former Chief Justice of J&K High Court, shared her insightful perspectives on gender equality, emphasizing the pervasive nature

of discrimination starting from within families. Highlighting the plight of women, she said: "Women face domestic violence but often lack the resources or knowledge to fight their cases," and added that she stressed the need to go beyond discussing gender equality in urban spaces, and instead focus on creating spaces without violence and with women-centric facilities in public

areas. Dr. Meeran Chadha Borwankar, a retired Director General of Police, expressed her stance on gender discrimination. She highlighted the challenges faced by women in police officer 3/12 back in support of women's coun. presence of a women-friendly environment. Pointing out the lack of female leadership in urban planning, Parashar said, "Having more women in leadership positions would greatly benefit the promotion of gender equality and inclusive transport facilities. Women leaders can bring an empathetic perspective and actively contribute to creating a more egalitarian society." Highlighting the multifaceted challenges encountered in urban areas across South Asia, particularly concerning gender equality, Farah Kabir, the Country Director



THE BUSINESS GUA

SATURDAY | 09 MARCH 2024 | NEW DELHI

TALENTNOMICS INDIA, KAS-JAPAN LEAD DISCUSSION ON INCLUSIVE URBAN SPACES FOR WOMEN IN SA

TBC NETWORK
NEW DELHI

TalentNomics India, in partnership with KAS-Japan, is proud to announce the successful organisation of its inaugural roundtable discussion focused on "Building Inclusive Urban Spaces for Women in South Asia." Held at the India International Centre, New Delhi, on Wednesday, the day-long event brought together a diverse array of stakeholders to zero in on crucial issues and formulate actionable solutions aimed at creating cities where every woman can flourish.

The event, held under the theme of pursuing an Equiverse—a universe where gender equity is the norm—saw esteemed speakers and participants engaging in insightful discussions to iden-



tify key obstacles and chart a path forward towards gender-inclusive urban planning.

The tone for the event was set by inspiring remarks from Ipsita Kathuria, Founder & CEO of TalentNomics India, and Christian Echle, Head-Asia/Pacific of KAS, whose visionary leadership paved the way for a productive and enriching dialogue.

Speaking on the occasion,

Gita Mittal, a retired judge and former Chief Justice of the J&K High Court, shared her insightful perspectives on gender equality, emphasising the pervasive nature of discrimination starting from within families. Highlighting the plight of women, she said, "Women face domestic violence but often lack the resources or knowledge to fight their cases," and added that she stressed the need to

go beyond discussing gender equality in urban spaces and instead focus on creating spaces without violence and with women-centric facilities in public areas. Mittal also drew attention to the challenges faced by women prisoners, who experience various difficulties, including the poor conditions of police lock-ups and inadequate toilet facilities. Similarly, she highlighted the lack of public toilets for municipal workers, gardeners, and women employees, who face difficulties while carrying out their jobs. Mittal further emphasised the challenges faced by individuals with disabilities, who also face sexual harassment while using public transportation. She advocated for the inclusion of low-floor buses and other facilities for disabled individuals to promote

more inclusive infrastructural development in urban areas.

Dr. Meeran Chadha Borwankar, a retired Director General of Police, expressed her stance on gender discrimination. She highlighted the challenges faced by female police officers, such as a lack of support from their male counterparts and the absence of a woman-friendly environment. She further pointed out the prevalent issue of sexual harassment within police stations. Dr. Borwankar said: "Gender discrimination is not only confined to the police department but is also observed when interacting with citizens outside of it. Conferences focused on promoting gender equality can play a significant role in creating awareness and addressing these issues."

MAH
LAKH

TBC NETWORK
MUMBAI

The sug
Mahara
90 lakh
the cru
2023-24
for abou
country
state's S
er Anil
Sugar p
country
264 lakh

Mal
for 1

TBC NETWORK
MUMBAI

The urban
ment has
High Cou
ment of co
various lo
act as cus
and safeg

गापुत्र
इंकर
वसर
रात्रि
था।
जाएं।
रात्रि
सुसार
, वहीं
ानित
108

टैलेंटनॉमिक्स इंडिया और केएस-जापान ने दक्षिण एशिया में महिलाओं के लिए समावेशी शहरी स्थान बनाने पर होने वाली चर्चा की अगुवाई की



मास्कर समाचार सेवा

संघ
बड़ी
त्री ने
लेट्री
ऑफ
। है।
जाने
इस
हुआ
नेशन
तबूत
हैं।
जब
तब
लेट्री
करण
यारों
में
की

नई दिल्ली। टैलेंटनॉमिक्स इंडिया ने केएस-जापान के साथ साझेदारी में, दक्षिण एशिया में महिलाओं के लिए समावेशी शहरी स्थानों के निर्माण पर केंद्रित अपने उद्घाटन गोलमेज चर्चा के सफल आयोजन की घोषणा की। बुधवार को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम में तमाम हितधारकों को महत्वपूर्ण मुद्दों पर फोकस करने और कार्रवाई योग्य समाधान तैयार करने के लिए एक मंच पर लाया गया। इसका उद्देश्य ऐसे शहर बनाना है जहां हर महिला आगे बढ़ सके। यह इवेंट लैंगिक समानता पर आधारित एक न्यायसंगत दुनिया-इक्विवर्स बनाने की थीम पर आधारित था। इसमें तमाम सम्मानित वक्ताओं और प्रतिभागियों ने इस काम में आने वाली प्रमुख बाधाओं की पहचान करने और लिंग-समावेशी शहरी

नियोजन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए व्यावहारिक चर्चा में भाग लिया। इवेंट का माहौल टैलेंटनॉमिक्स इंडिया की संस्थापक और सीईओ इप्सिता कथूरिया और केएस के एशिया/प्रशांत प्रमुख क्रिश्चियन एक्ले की प्रेरक टिप्पणियों से बना। इनके दूरदर्शी नेतृत्व ने एक सार्थक और समृद्ध संवाद का मार्ग प्रशस्त किया। इस मौके पर, सेवानिवृत्त न्यायाधीश और जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल ने लैंगिक समानता पर अपना व्यावहारिक नजरिया पेश किया। उन्होंने परिवारों के भीतर से शुरू होने वाले भेदभाव की व्यापक प्रवृत्ति पर जोर दिया। महिलाओं की दुर्दशा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा महिलाओं को घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है, लेकिन अक्सर उनकी दिक्कतों से लड़ने के लिए संसाधनों या जानकारी की कमी होती है।

महिलाओं के लिए समावेशी शहरी स्थान बनाने पर होने वाली चर्चा की अगुवाई की

शाह टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। टैलेंटनॉमिक्स इंडिया ने केएएस-जापान के साथ साझेदारी में, दक्षिण एशिया में महिलाओं के लिए समावेशी शहरी स्थानों के निर्माण पर केंद्रित अपने उद्घाटन गोलमेज चर्चा के सफल आयोजन की घोषणा की। बुधवार को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम में तमाम हितधारकों को महत्वपूर्ण मुद्दों पर फोकस करने और कार्रवाई योग्य समाधान तैयार करने के लिए एक मंच पर लाया गया। इसका उद्देश्य ऐसे शहर बनाना है जहां हर महिला आगे बढ़ सके।

इस मौके पर, सेवानिवृत्त न्यायाधीश और जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल ने लैंगिक समानता पर अपना व्यावहारिक नजरिया पेश किया। सेवा-निवृत्त पुलिस महानिदेशक डॉ. मीरान चड्ढा बोरवकर ने लैंगिक भेदभाव पर अपनी राय

जाहिर की। उन्होंने महिला पुलिस अधिकारियों के सामने आने वाली उनके पुरुष समकक्षों से समर्थन की कमी और महिला-अनुकूल वातावरण के अभाव जैसी चुनौतियों पर प्रकाश डाला। लैंगिक समानता पर आधारित परिवहन सुविधा के महत्व पर जोर देते हुए वर्ल्ड बैंक के सीनियर ट्रांसपोर्ट स्पेशलिस्ट लघु पाराशर ने एक दूरदर्शी नजरिया रखा। एक्शनएड बांग्लादेश की कंट्री डायरेक्टर फराह कबीर ने पूरे दक्षिण एशिया के शहरी क्षेत्रों में लैंगिक समानता के सामने आने वाली तमाम चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं को उनकी विविध भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के कारण सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में होने वाली परेशानियों पर अपनी बात रखी। इप्सिता कथूरिया ने शहरों को अधिक समावेशी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा हमारे प्रयासों का लक्ष्य लैंगिक समानता की दिशा में एक सामाजिक बदलाव लाना है।

महिलाओं के लिए समावेशी शहरी स्थान बनाने पर किया मंथन

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

टैलेंटनॉमिक्स इंडिया ने केएएस-जापान के साथ साझेदारी में दक्षिण एशिया में महिलाओं के लिए समावेशी शहरी स्थानों के निर्माण पर केंद्रित अपने उद्घाटन गोलमेज चर्चा के सफल आयोजन की घोषणा की। इसका उद्देश्य ऐसे शहर बनाना है जहां हर महिला आगे बढ़ सके। यह इवेंट लैंगिक समानता पर आधारित एक न्यायसंगत दुनिया इक्विवर्स बनाने की थीम पर आधारित था। इसमें तमाम सम्मानित वक्ताओं और प्रतिभागियों ने इस काम में आने वाली प्रमुख बाधाओं की पहचान करने और लिंग-समावेशी शहरी नियोजन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए व्यावहारिक चर्चा में भाग लिया। इवेंट का माहौल टैलेंटनॉमिक्स इंडिया की संस्थापक और सीईओ इप्सिता कथूरिया और केएएस के एशिया, प्रशांत प्रमुख क्रिश्चयन एक्ले की प्रेरक टिप्पणियों से बना। इनके दूरदर्शी नेतृत्व ने एक सार्थक और

समृद्ध संवाद का मार्ग प्रशस्त किया। इस मौके पर ए सेवानिवृत्त न्यायाधीश और जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल ने लैंगिक समानता पर अपना व्यावहारिक नजरिया पेश किया। उन्होंने परिवारों के भीतर से शुरू होने वाले भेदभाव की व्यापक प्रवृत्ति पर जोर दिया। महिलाओं की दुर्दशा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा महिलाओं को घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है, लेकिन अक्सर उनकी दिक्कतों से लड़ने के लिए संसाधनों या जानकारी की कमी होती है। उन्होंने कहा कि हमें सिर्फ शहरी स्थानों में लैंगिक समानता पर चर्चा करने से आगे बढ़ने की जरूरत है। सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक डॉ. चड्ढा बोरवकर ने लैंगिक भेदभाव पर अपनी राय जाहिर की। उन्होंने महिला पुलिस अधिकारियों के सामने आने वाली उनके पुरुष समकक्षों से समर्थन की कमी और महिला-अनुकूल वातावरण के अभाव जैसी चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

दक्षिण एशिया में महिलाओं के लिए समावेशी शहरी स्थान बनाने पर चर्चा

नई दिल्ली, (वीअ)। टैलेंटनॉमिक्स इंडिया नेकेएस-जापान के साथ साझेदारी में, दक्षिण एशिया में महिलाओं के लिए समावेशी शहरी स्थानों के निर्माण पर केंद्रित अपने उद्घाटन गोलेमेज चर्चा के सफल आयोजन की घोषणा की।

कार्यक्रम में तमाम हितधारकों को महत्वपूर्ण मुद्दों पर फोकस करने और कार्रवाई योग्य समाधान तैयार करने के लिए एक मंच पर लाया गया। इसका उद्देश्य ऐसे शहर बनाना है जहां हर महिला आगे बढ़ सके।

इवेंट का माहौल टैलेंटनोमिक्स इंडिया की संस्थापक और सीईओ इप्सिता कथूरिया और केएस के एशिया/प्रशांत प्रमुख फिश्चियन एक्ले की प्रेरक टिप्पणियों से बना। इनके दूरदर्शी नेतृत्व ने एक सार्थक और समृद्ध संवाद का मार्ग प्रशस्त किया। इस मौके पर, सेवानिवृत्त न्यायाधीश और जम्मू-कश्मीर

उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल ने लैंगिक समानता पर अपना व्यावहारिक नजरिया पेश किया। उन्होंने परिवारों के भीतर से शुरू होने वाले भेदभाव की व्यापक प्रवृत्ति पर जोर दिया। महिलाओं की दुर्दशा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा ठमहिलाओं को घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ता है, लेकिन अक्सर उनकी दिक्कतों से लड़ने के लिए संसाधनों या जानकारी की कमी होती है। ठ उन्होंने आगे कहा कि हमें सिर्फ शहरी स्थानों में लैंगिक समानता पर चर्चा करने से आगे बढ़ने की जरूरत है। सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक डॉ. मीरान चड्ढा बोरवंकर ने लैंगिक भेदभाव पर अपनी राय जाहिर की। उन्होंने महिला पुलिस अधिकारियों के सामने आने वाली उनके पुरुष समकक्षों से समर्थन की कमी और महिला-अनुकूल वातावरण के अभाव जैसी चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

7. Online Media Coverage

<http://onlinepaper.asianage.com/asianage-epaper.aspx#page2729760>

<https://bwellbeingworld.businessworld.in/article/TalentNomics-India-And-KAS-Japan-Spearhead-Discussion/08-03-2024-512606/>

CHRONICLES NEWS

<https://chroniclesnews.live/talentnomics-india-and-kas-japan-spearhead-discussion-on-building-inclusive-urban-spaces-for-women-in-south-asia/>

FIRST NEWS

<https://firstnews.co.in/talentnomics-india-and-kas-japan-spearhead-discussion-on-building-inclusive-urban-spaces-for-women-in-south-asia/>

NEWS FILES

<https://newsfiles.in/talentnomics-india-and-kas-japan-spearhead-discussion-on-building-inclusive-urban-spaces-for-women-in-south-asia/>

NEWS VIEWS

<https://newsviews.club/talentnomics-india-and-kas-japan-spearhead-discussion-on-building-inclusive-urban-spaces-for-women-in-south-asia/>

NEWS IN ASIA

<https://newsinasia.in/talentnomics-india-and-kas-japan-spearhead-discussion-on-building-inclusive-urban-spaces-for-women-in-south-asia/>

PRIME TIME NEWS

<https://primetimenews.co.in/talentnomics-india-and-kas-japan-spearhead-discussion-on-building-inclusive-urban-spaces-for-women-in-south-asia/>

REPORT 365

<https://report365.in/talentnomics-india-and-kas-japan-spearhead-discussion-on-building-inclusive-urban-spaces-for-women-in-south-asia/>

THINK NEWS TODAY

<https://thinknews.today/talentnomics-india-and-kas-japan-spearhead-discussion-on-building-inclusive-urban-spaces-for-women-in-south-asia/>

UPCOMING NEWS

<https://upcomingnews.in/talentnomics-india-and-kas-japan-spearhead-discussion-on-building-inclusive-urban-spaces-for-women-in-south-asia/>